महत्वपूर्ण एवं खास

अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, हत्या का दर्ज हुआ मामला

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के परपा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिरींगपाल के डुमरपारा से परपा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद कर हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात्रि में बिरींगपाल के डुमरपारा में अज्ञात व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर शव को फेंके जाने की सूचना मिलने पर परपा थाना प्रभारी बुधराम नाग दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और बिरींगपाल के ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिया भेज दिया। परपा थाना प्रभारी बुधराम नाग ने बताया कि हत्या के मामले में अज्ञात व्यक्ति की पहचान एवं अपराधियों की पतासाजी की जा रही है।

104 आरोग्य सेवा हेल्प लाइन नंबर से मिल रही है तत्काल मदद

रायपुर (आरएनएस)। राज्य में कोविड मरीजों के लिए 104 आरोग्य सेवा हेल्प लाइन नंबर बहुत मददगार साबित हो रहा है। मरीजों या उनके परिजनों की कोविड संबंधी परेशानियों का हल तत्काल किया जा रहा है। इसके लिए 104 काल सेंटर के ऑपरेटरों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। आज भी अस्पताल आबंटन कोविड केयर सेन्टर और डेडिकेटेड कोविड अस्पताल प्रबंधन एवं सामान्य रूप से पूछे जाने वाले सवालों के जवाबों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अप्रैल माह में एक लाख 16 हजार से अधिक कॉल रिसीव किए गए और कॉल सेन्टर से मरीजों को कॉल किए गए। इस दौरान होम आईसोलेशन, कोविड फीड बैक और अन्य शिकायतों के निराकरण संबंधी कॉल मरीजों एवं उनके परिजनों को किए गए। मई में अब तक 18 हजार 2 सौ से अधिक कॉल रिसीव किए गए और कॉल सेन्टर से मरीजों को कॉल किए गए। गत वर्ष मार्च 2020 से अप्रैल 2021 तक 4 लाख 28 हजार से अधिक कॉल रिसीव किए गए और कॉल सेन्टर से मरीजों को कॉल कर उन्हें जानकारी देकर लाभान्वित किया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से 4 की मौत

कोरिया (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में गुरुवार शाम को मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के केल्हारी थाना अंतर्गत सटे बिछली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 4 लोगो मौत की मौत हो गई, वही 3 लोग घायल होने की खबर है। मिली जानकारी के मुताबिक सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे है। आकाशीय बिजली के कहर से जहां एक ही परिवार के 4 कि मौत हुई है। वही 3 परिवार के 3 सदस्य घायल बताये जा रहे है। जिनमे 2 का इलाज बैकुंठपुर स्थित जिला चिकित्सालय में चल रहा है वही 1 सदस्य के प्राथमिक उपचार के बाद ठीक होने की खबर आ रही है। जिन लोगो की मौत हुई, उनमें जयलाल, छोटू उर्फ भूपेंद्र, प्रमिला, शुभद्रा शामिल है। ये सभी आपस मे सगी बहन, दमाद व पिता बताये जा रहे है। वही घायलों में बुद्धि और सूरजभान का इलाज बैकुंठपुर के जिला अस्पताल में चल रहा है आकाशीय बिजली की चपेट में आने से हुई 4 लोगो के मौत पर सरगुजा विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक गुलाब कमरो ने गहरा दुख प्रकट कर परिजनों के प्रति सवेंदना व्यक्त की है। वही 2 घायलों के समुचित बेहतर उपचार हेतु प्रशासनिक अधिकारियों व डॉक्टरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए है।

राजीव गांधी को कंदमूल खिलाने वाली बुजुर्ग महिला बल्दीबाई का अपने गांव कुल्हाड़ीघाट में निधन

रायपुर/गरियाबंद (आरएनएस)। सन 1984-85 में स्वर्गीय राजीव गांधी को कंदमूल खिलाने वाली कांग्रेस की उम्रदराज कार्यकर्ता रही बल्दीबाई का आज 98 साल की उम्र में निधन हो गया। कल ही उन्हे मेकाहारा से डिस्चार्ज करके घर भेजा गया था, उन्होंने 98 साल की उम्र में कोरोना से जंग जीत कर घर पहुंची थी लेकिन आज उनका हार्ट अटैक से निधन हो गया। बीते दिनों बल्दी बाई कोविड-19 से पीड़ित होकर मेकाहारा रायपुर में भर्ती थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिलाधीश निलेश क्षिरसागर को बल्दी बाई के स्वास्थ्य को लेकर जिम्मेदारी दी थी। कुल्हाड़ी घाट मैनपुर और गरियाबंद में इलाज के बाद स्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशों के उपरांत उन्हें रायपुर मेकाहारा समुचित इलाज के लिए भेजा गया था। जहां लगभग 10 दिनों के ईलाज के बाद पूरी तरह से स्वस्थ होकर वापस अपने घर कुल्हाड़ी घाट लौट आई थी।

कोविड में आक्सीजन ड्राप होने पर घर में रहने का निर्णय मरीज के सेहत के लिए हो सकता है घातक

» 94 से कम आया आक्सीजन सैचुरेशन तो तुरंत हास्पिटल में एडमिट होइये, रिकवरी की संभावना होगी अधिकतम

रायगढ़ । पुरानी कहावत है कि अधूरा ज्ञान खतरनाक होता है। फिर कोविड जैसी बीमारी, ऐसे में यदि किसी मरीज के परिजन डॉक्टर की सलाह की उपेक्षा कर मरीज के ट्रीटमेंट पर अपना निर्णय लें तो मरीज की रिकवरी के लिए गंभीर खतरा हो सकता है। कोविड पर शासन की गाइडलाइन है कि 94 से कम आक्सीजन सैचुरेशन आने पर मरीज को हॉस्पिटल की देखरेख में रखा जाना ही उसके स्वास्थ्य के लिए बेहतर है। इस संबंध में सीएमएचओ डॉ.केशरी ने विस्तार से जानकारी दी कि किस तरह होम आइसोलेशन की गाइडलाइन का पालन कर कोविड से रिकवरी का रास्ता सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को लगातार ऑक्सीजन सैचुरेशन की जाँच करनी है और 94 से कम आते ही काउंसलर को जानकारी देनी है तथा हॉस्पिटल में एडमिट होना है। ऐसा करने से रिकवरी की संभावना काफी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि देखा गया है कि कुछ मामलों में मरीज के परिजन ऑक्सीजन लेवल डाउन होने पर घर में ही ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था में लग जाते हैं जबकि हास्पिटल में ऑक्सीजन बेड्स के साथ ही मेडिकल सुपरविजन भी होता है और मरीज की मेडिकल हेल्थ के मुताबिक दवा भी दी जाती है। मरीज का ऑक्सीजन लेवल डाउन होने के साथ ही उनके इलाज के लिए डॉक्टर एंटीबायोटिक और स्टेराइड प्लान करते हैं घर में इस तरह का प्लान संभव ही नहीं है जिसके कारण से पेशेंट की स्थिति बिगड़ जाती है। ज्यादा खराब स्थिति में अस्पताल आने में रिकवरी की संभावना घट जाती है। डॉ.केशरी ने बताया कि कई बार मरीज के परिजन ऑक्सीजन लेवल ड्राप होने की जानकारी नहीं देते और कई बार फोन भी बंद कर देते हैं। ऐसी स्थिति उनके मरीजों के लिए घातक हो सकती है। डॉ.केशरी ने कहा कि जिले में पर्याप्त संख्या में ऑक्सीजन बेड्स उपलब्ध हैं अतएव मरीजों के परिजनों को चाहिए कि 94 से नीचे ऑक्सीजन लेवल आते ही किसी तरह का जोखिम नहीं ले।

जानिये अस्पताल आने से पेशेंट के ट्रीटमेंट में क्या बेहतर- डॉ.केशरी ने कहा कि कोविड मरीजों के लिए एकमात्र ऑक्सीजन ही इलाज नहीं है। ऑक्सीजन की उपलब्धता हो जाने के बाद मेडिसीन भी स्थिति के मुताबिक दिया जाना जरूरी है। आक्सीजन लेवल के अनुसार और कोमार्बिडिटी (बीपी, शुगर, थायराइड जैसी बीमारियां) देखते हुए डॉक्टर मेडिसीन प्लान करते हैं। मरीज की स्थिति के मुताबिक एंटीबायोटिक दवाएं तय की जाती हैं। स्टेराइड्स तय किये जाते हैं। सही मौके पर सही दवा के प्रयोग से रिकवरी की संभावना काफी बढ़ जाती है।

घर में रह गये तो किस तरह के नुकसान की आशंका- पहली बात तो यह कि मरीज के घर में रहने से उपयुक्त दवा का प्लान नहीं किया जा सकता और मरीज केवल आक्सीजन के भरोसे रहेगा। डॉ.केशरी ने दूसरी महत्वपूर्ण बात यह बताई कि मरीज के ऑक्सीजन लेवल के मुताबिक उसे आक्सीजन दिये जाने का प्लान हास्पिटल में होता है। पहले चरण में आक्सीजन सिलेंडर के माध्यम से, फिर इसके बाद थोड़ी गंभीर जरूरत होने पर हाई कंसट्रेटर मास्कर के माध्यम से ऑक्सीजन दिया जाता है। तीसरा और चौथा चरण एनआईवी और वेंटिलेटर का होता है। कई बार मरीज के परिजन पेशेंट को घर में ही रखते हैं मरीज को पहले चरण की जरूरत तो सामान्य ऑक्सीजन सिलेंडर से पूरी हो सकती है लेकिन दूसरे, तीसरे और चौथे चरण के लिए घर में कोई व्यवस्था नहीं होती। यदि मरीज ऑक्सीजन लेवल के डाउन होने के शुरूआती स्टेज में ही अस्पताल आ जाए तो इस बात की न्यूनतम आशंका होगी कि मरीज तीसरे या चौथे चरण तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि सैचुरेशन कम होने के बावजूद घर में मरीजों को रखे रहने के निर्णय का असर मरीज के सेहत पर पड़ता है और तेजी से आक्सीजन लेवल कम होने से फेफड़ों की जो क्षति होने लगती है उसे ठीक नहीं किया जा सकता।

कार में शराब तस्करी कर रहे 5 व्यक्ति गिरफ्तार

» मुख्य मार्ग में पुलिस जांच देख गांव के रास्ते शराब पार करने की थी तैयारी, महिला समूह की सूचना पर बरमकेला पुलिस ने की कार्रवाई

बरमकेला। लॉकडाउन ड्यूटी के बीच बरमकेला पुलिस लगातार अवैध शराब और गांजा तस्करी पर कार्यवाही कर रही है। पिछले दिनों मुख्य मार्ग पर वाहनों की जांच दौरान मोटर सायकल पर ओडिशा से गांजा लेकर आ रहे आरोपी पर बरमकेला पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई थी।

6 मई को बरमकेला पुलिस को ग्राम टिटहीपाली में महिला समूह समिति द्वारा आर्टिगा क्रमांक सीजी13-यूसी-2384 में सवार 05 व्यक्तियों को अवैध रूप से महुआ शराब परिवहन करते पकडकर रखने की सूचना दी गई। सूचना पर थाने से सहायक उप निरीक्षक कमल राजपूत एवं हमराह स्टाफ ग्राम टिटहीपाली प्राथमिक शाला पहुंचे। जहां महिला समूह की महिलाएं एवं आरोपीगण मिले। आरोपीगण- 1.रोहित सारथी पिता शौकी लाल सारथी उम्र 31 वर्ष 2. कार्तिकेश्वर चौहान पिता दशरथ चौहान उम्र 26 वर्ष 3. विरेन्द्र सारथी पिता सदानंद सारथी उम्र 26 वर्ष 4. रमेश सारथी पिता शौकीलाल सारथी उम्र 24 वर्ष 5. रामचरण सारथी पिता स्व. अमर सिंह सारथी उम्र 30 वर्ष सभी साकिनान खरवानीपारा बरमकेला थाना बरमकेला ने छिंछपानी से कार में शराब लाना बताये। आरोपियों से 60 लीटर महुआ शराब कीमती 12000/- रूपये एवं उनकी कार जप्त किया गया है। आरोपियों पर धारा 34(2),59(क) आबकारी एक्ट की कार्यवही की गई है।

पत्नी की गला घोंट कर हत्या, हत्या को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास करने वाला आरोपी गिरफ्तार

घरघोड़ा। पिछले एक मई को थाना घरघोडा में गांधीगढ जंगल में पेड पर फांसी से लटकी हुई गांव की महिला की लाश मिली थी, मर्ग जांच पर शव का पीएम कराया गया, पीएम रिपोर्ट पर आज दिनांक 06.05.2021 को अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 113/2021 धारा 302 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घरघोड़ा पुलिस को मृतिका के पति पर संदेह था, काफी पूछताछ पर टाल मटोल के बाद देर शाम आरोपी अपना जुर्म कबुल किया जिसे गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक दिनांक 01/05/2021 के शाम सिलबानुस मिंज पिता समुवेल मिंज उम्र 41 वर्ष साकिन गांधीगढ थाना घरघोडा थाना आकर मर्ग इंटिमेशन दर्ज कराया कि उसकी पत्नी एलिजाबेथ 38 वर्ष दिनांक 28/04/2021 के सुबह से घर से लापता थी, उसका शव गांव के बाहर जंगल में पेड़ पर लटका मिला। सूचना पर मर्ग कायम कर शव का पोस्ट मार्टम कराया गया। पीएम रिपोर्ट में डाक्टर द्वारा मृतिका की मृत्यु गला घोट कर हत्यात्मक प्रकृति लेख किया गया है।

कड़ी पूछताछ में मृतिका का पति बताया कि उसकी पत्नी उसके किसी अन्य स्त्री के साथ अवैध संबंध होने का शक करती थी, जिसे लेकर दोनों के बीच झगड़ा होता था, दोनों में मन मुटाव था। दिनांक 28/04/2021 को सुबह खेत काम करने गया तो पीछे-पीछे एलिजाबेथ आ गई जिसे घर जा कहने पर नहीं जाने की जीद की और दोनों के बीच झगड़ा हुआ। तब उसे थप्पड़ और जंगल में पड़ी लकड़ी से मारपीट किया और एलिजाबेथ की साड़ी से उसका गला घोंटकर साड़ी से पेड़ में लटका दिया था ताकि एलिजाबेथ खुद फांसी लगाई है लगे। दिनांक 01/05/2021 को गांव की महिला शव को देख ली, तब थाने में जाकर बनावटी रिपोर्ट दर्ज कराया था। आरोपी सिलबानुस मिंज पिता समुएल मिंज 41 वर्ष निवासी गांधीगढ बट्टूराकछार थाना घरघोड़ा को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। आरोपी को कल रिमांड पर भेजा जावेगा।

कलेक्टर भीम सिंह के प्रयासों से रायगढ़ पहुंचे फ्लोमीटर

» केआईटी में ऑक्सीजन बेड की संख्या बढ़कर हो जाएगी 350

» सारंगढ़ के मंगल भवन में शुरू हो रहे 50 ऑक्सीजन बेड

रायगढ़, 6 मई 2021/ कोरोना संक्रमित मरीजों के बेहतर उपचार के लिए ऑक्सीजन बेड बढ़ाने के दिशा में काम हो रहा है। कोविड केयर सेन्टर्स में ऑक्सीजन सुविधा युक्त बेड बढ़ाने के लिए तैयारियां की जा चुकी हैं। इन्तेजार हो रहा था फ्लो मीटर्स का। जिसकी इस समय पूरे देश में भारी किल्लत है। रायगढ़ जिले में जल्द फ्लो मीटर्स का इन्तेजाम हो इसके लिए कलेक्टर भीम सिंह विशेषरूप से प्रयासरत हैं। वे लगातार पूरे देश में फ्लोमीटर के लिए संपर्क कर तेजी से इसकी व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं। ताकि कोविड मरीजों के इलाज के लिए जल्द ऑक्सीजन बेड की संख्या बढ़ायी जा सके। मुम्बई, दिल्ली और कलकत्ता के डीलर्स के माध्यम से लगातार संपर्क कर फ्लो मीटर मंगवाए जा रहे हैं। उनके इन प्रयासों से 200 फ्लो मीटर रायगढ़ पहुंच चुके है। आज शाम तक 200 फ्लोमीटर और पहुंच जाएंगे। इससे केआईटी में भी ऑक्सीजन बेड बढ़ाकर 350 किया जा रहा है। इसी के साथ सारंगढ़ के मंगल भवन में 50 ऑक्सीजन बेड शुरू किये जा रहे हैं। इसके पश्चात खरसिया के चोढा में तैयार कोविड केयर सेंटर में 100 ऑक्सीजन बेड बढ़ाये जाएंगे। जिसके साथ ही धरमजयगढ़ में भी 50 ऑक्सीजन बेड की सुविधा तैयार करने की योजना है। कलेक्टर सिंह ने बताया कि जल्द ही 10 वेंटिल्टर्स और 50 बाइपेप मशीनें भी आने वाली हैं। जिन्हें मेडिकल कॉलेज, एमसीएच और केआईटी के साथ ही विकासखंड स्तर पर तैयार किये जा रहे कोविड केयर सेंटर्स में दिया जाएगा। जिससे वहां के गम्भीर मरीजों का इलाज वहीं हो सके।

पाइप लाइन विस्तार में भी हो रहा तेजी से काम

मेडिकल कॉलेज में पाइप लाइन के द्वारा ऑक्सीजन सप्लाई युक्त बेड बढ़ाने पर भी उसी तेजी से काम किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के तीसरे फ्लोर में 70 ऑक्सीजन बेड बढ़ाये जा चुके हैं। इसके साथ ग्राउंड फ्लोर में तकरीबन 100 बेड बढ़ाने के लिए पाइप फिटिंग का कार्य लगातार जारी है। यह भी अगले 3-4 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। इससे कुल 170 ऑक्सीजन बेड की अतिरिक्त सुविधा यहां तैयार हो जाएगी।

जिले में 4 लाख से अधिक लोगों को लग चुका है टीका

» कोरोना संक्रमित हो गये है तो कितने दिन बाद लगवा सकता है टीका, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.भानू पटेल ने दी जानकारी

रायगढ़ । कोविड संक्रमण से सुरक्षा के लिये टीकाकरण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कोविड का टीका लगवाने से शरीर को कोरोना वायरस के संक्रमण से लड़ने में सक्षम होता है। जिले में व्यापक स्तर पर कोरोना का टीकाकरण किया जा रहा है। अब तक तकरीबन 4 लाख से अधिक लोगों को टीके लगाये जा चुके है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.भानु पटेल ने बताया कि टीकाकरण से हेल्थ केयर वर्क्स फ्रन्ट लाईन कोरोना वारियर्स को संक्रमण की इस दूसरी लहर में अपना काम करने के लिये मजबूती मिल रही है। उन्होंने सभी पात्र लोगों से अपील की है कि कोविड टीकाकरण के लेकर किसी प्रकार की अफवाहों या भ्रांतियों से दूर रहे व टीकाकरण जरूर करवायें। इस दौरान उन्होंने संक्रमित हो जाने के बाद भी टीकाकरण करवाने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी है। जिसके तहत उन्होंने बताया कि जो लोग कोविड-19 बीमारी से पीड़ित हो गए हैं, उनको भी कोविड-19 वैक्सीन का दोनों खुराक लेना अनिवार्य है, जिससे उसके शरीर में पर्याप्त एवं अधिक अवधि के लिए प्रतिरोधक क्षमता पैदा हो सके। ऐसे लोग कोविड-19 हेतु पॉजिटिव रिपोर्टिंग के 28 दिन बाद वैक्सीन लगवा सकते हैं। द्वितीय डोज के लिए दो डोज के बीच निर्धारित न्यूनतम अंतराल को-वैक्सीन हेतु 28 दिन तथा कोविशील्ड हेतु 42 दिन का होना चाहिए।

कोविड-19 वैक्सीन का पहला डोज लेने के बाद यदि कोई कोरोना से पीड़ित हो जाता है, तब भी उसको दूसरा डोज लेना अनिवार्य है, जिससे उसके शरीर में पर्याप्त एवं अधिक अवधि के लिए प्रतिरोधक क्षमता पैदा हो सके। पॉजिटिव आने के न्यूनतम 28 दिन बाद द्वितीय डोज वैक्सीन लगा सकते हैं।

जेल की 21 फीट ऊंची दीवार फांदकर 5 कैदी फरार, जेल प्रशासन में मचा हड़कंप

» सभी आरोपी गंभीर प्रकरणों में जेल में बंद है

» आरोपियों को पकड़ने जिले के सीमाओं को किया गया सील

महासमुंद (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जेल से गुरुवार को गंभीर अपराधों में लिप्त पांच कैदी आज पुलिस प्रहरियों को चकमा देकर दीवार कूदकर फरार हो गये। कैदियों के फरार होने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। फरार कैदियों को पकड़ने के लिए महासमुंद के सभी सीमाओं को सील कर दिया गया है। घटना अपरान्ह करीब 3.30 बजे की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज अपरान्ह करीब 3.30 बजे महासमुंद जेल में बंद 05 कैदी जिनमें धनसिंह, डमरूधर, राहुल, दौलत और करण जेल में पहरेदारों की आंख में धुल झोंकर दीवार कूदकर फरार हो गये। फरार कैदियों में तीन कैदी लूट और डकैती के अपराधी है, जबकि एक बलात्कार एवं एक ड्रग्स के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

जेलर ने स्कूटी से पीछा किया

महासमुंद की इस जेल में दोपहर के खाने के बाद कैदी अपने-अपने बैरक में थे। कुछ बाहर कैंपस में रूटीन के कामों में लगे थे, जिसमें भागने वाले कैदी शामिल थे। जेल के जेलर आरएस सिंह ने बताया कि करीब 3.30 बजे मेरे पास कर्मचारी आए और बंदियों के भागने की जानकारी दी, जिसके बाद वे स्वयं अपनी स्कूटर पर बंदियों को पकड़ने उनका पीछा किया, लेकिन सभी कैदी अलग-अलग दिशा में भागने में कामयाब रहे। टीम ने उन्हें तलाशने का भरपूर प्रयास किया मगर सभी भागने में कामयाब हो गए। इसके बाद हमने अफसरों को इसकी जानकारी दी।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक भागे हुए कैदी में शामिल धनसाय 33 साल , डमरूधर 24 साल और राहुल 22 साल ये तीनों लूट के आरोपी हैं। महासमुंद में ही आरोपियों ने एक वारदात को अंजाम दिया था। साल 2019 से ये तीनों इसी जेल में थे। इनमें से राहुल यूपी का रहने वाला है और अन्य दो महासमुंद के निवासी हैं। इसके अलावा दौलत 23 वर्ष दुष्कर्म का आरोपी है, वहीं करण 21 साल नशीली चीजें रखने के मामले में पकड़ा गया था, ये दोनों भी महासमुंद के ही रहने वाले हैं।

21 फीट की ऊंची दीवार फांदने में कामयाब रहे कैदी

कैदियों के भागने की सूचना मिलते ही एएसपी मेघा टेंभुरकर भी मौके पर पहुंचीं और इस घटना की जानकारी ले रही है। फरार कैदियों को पकड़ने फिलहाल पूरे शहर में नाकेबंदी कर दी गई है। अब भागे हुए बंदियों की जानकारी पेट्रोलिंग टीम को दी गई है। पुलिस की खास टीमें इन्हें ढूंढने के मिशन पर हैं। पुलिस दावा कर रही है आरोपी जल्द ही पकड़े जाएंगे।

आखिर कैसे भागे कैदी

पुलिस अफसरों की एक टीम बंदियों की तलाश कर रही है। दूसरी टीम इस बात की जांच में जुटी है कि आखिर ये 5 आरोपी भागे कैसे। एक चर्चा ये भी है कि अंदर ही किसी कर्मचारी या किसी और पुराने बंदी ने 5 कैदियों को भागने में सहयोग किया होगा। क्योंकि 21 फीट ऊंची दीवार फांदना बिना किसी मदद के मुमकिन नहीं। हालांकि ये सभी बिन्दु जांच के विषय है। जांच के बाद ही इसका खुलासा हो पायेगा। फिलहाल इस घटना ने जेल की व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए है जिससे जेल प्रशासन से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480